हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर 2023

11 जिला स्तरीय कला उत्सव में विद्यार्थी कलाकारों ...

12 समाज में हमारी समृद्ध संस्कृति के प्रति चेतना ..

BAJAJ CLOTHING
NEAR BIJLI GHAR GADE,
BICHLA BAZAR, BHIWANI
M.: 9812040060, 9992922483
Lucky DRAW
2000/- की खरीद पर एक कूपन पाएं
• फैन्सी लेडिज सूट
• फैन्सी कुर्तीज
• वूलन कुर्ती
• पेन्ट-शर्ट, सॅफारी
• कुर्ता पजामा
• 50 GMS, SLIVER COIN : 10 Coin
• AMERICAN TOURISTAR BAG : 61 Pcs.
• RAYMOND DOUBLE BED : 30 Pcs.
(COTTON BED SHEET)

खबर संक्षेप

महिला ने मारपीट व चेन तोड़ने के लगाए आरोप

बाढ़ड़ा। गांव मंदौली में ईंधन की लकड़ी उठाने को लेकर हुए झगड़े में महिला ने उसके साथ मारपीट करने व चेन तोड़ने सहित जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगा है। झोझूकलां थाना पुलिस को दी शिकायत में मंदौली निवासी कमलेश ने बताया कि वह घर पर थी, उसी दौरान पड़ोस से व्यक्ति आया और उसे बुलाकर ईंधन रखे स्थान पर ले गया। उसने कहा कि हमारी ईंधन की लकड़िया उठाई हैं, जब मैने मना कर दिया तो उक्त व्यक्ति ने मारपीट की व उसके गले से सोने की चेन तोड़ ली।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति की बैठक संपन्न

लोहारू। शनिवार को लोहारू में पेंशन बहाली संघर्ष समिति ब्लॉक की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। मीटिंग में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रधान विक्रमजीत नेहरा तथा अध्यक्षता सुरेंद्र श्योराण ने की। प्रभारी महेंद्र मान ने कार्यकारिणी के आय.व्यय का ब्यौरा दिया। महासचिव मुकेश धानिया ने 11 फरवरी को जींद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय पेंशन बहाली रैली के लिए ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी साथियों के पहुँचने की अपील की।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर धारा 144 लागू

भिवानी। गांव सिंघानी तहसील लोहारू में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम होना है। इस कार्यक्रम को लेकर धारा 144 लागू की है। इस दौरान शरारती व असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाकर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बिगाड़नेव कार्यक्रम में व्यवधान डालने की संम्भावना के चलते जिले के निश्चित स्थानों पर भारतीय दण्ड प्रक्रिया हिता,1973 की धारा 144 लागू रहेगी।

श्रीमदभागत कथा वाचकों को किया सम्मानित

भिवानी। गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में ब्राह्मण समाज के प्रधान किशन कौशिक द्वारा यहां डोबी तालाब स्थित गीता भवन में श्रीमदभागवत कथा का वाचन करने वाले कथा वाचकों को शॉला ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। किशन कौशिक ने बताया कि ये कथा वाचक जिले भर के साथ.साथ अन्य स्थानों पर जाकर निःशुल्क कथा का वाचन कर भगवान श्रीकृष्ण का संदेश दे रहे हैं। गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में इन कथा वाचकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

24x7 घंटे नप रैन बसेरों के पाट रहेंगे खुले, 50 बिस्तर भी तैयार

जरूरत के हिसाब से संख्या बढ़ाने में सक्षम हैं नप, बस स्टैंड के रैन बसेरे में महज मेज बिछी

■ नप रैन बसेरे में आने वाले भूखे राहगीर के लिए खाने की व्यवस्था

राकेश भट्टी: भिवानी

ठंड के मौसम में बिना रजाई व कंबल के बाहर निकलने व रात बिताने की महज बात सुनकर ही आप सकते में आ सकते हैं और मजबूरीवश किसी को खुले आसमान के नीचे रात बितानी पड़ जाए तो यह उसके लिए जोखिम भरा होगा, लेकिन नगर परिषद प्रशासन ने राहगीरों व जरूरतमंदों का दर्द महसूस करते हुए नप परिसर में सप्ताह के सातों दिन चौबीसों घंटे रैन बसेरे के द्वार खोल रखे हैं और हमेशा 50 बैड बिस्तर समेत बिछा रखे हैं, जिनपर कोई भी राहगीर व जरूरतमंद आकर रात बिता सकता हैं।

इसके साथ ही रैन बसेरे में आने वाले भूखे राहगीर के लिए खाने की भी व्यवस्था की जाती हैं, ताकि कोई भी राहगीर भूखे पेट व खुले आसमान के नीचे रात न बिताए।

नगर परिषद के रैन बसेरे में लगाए गए बिस्तर।

सर्दी के मौसम में काफी लोग मजबूरीवश रात को खुले आसमान के नीचे फुटपाथ पर सोते हैं, जो काफी जोखिम भरा होता हैं। काफी लोग तो रात को खुले आसमान के नीचे सोते तो हैं लेकिन ठिठुरन के कारण सुबह भगवान को प्यारे हो जाते हैं, जिनका दर्द समझते हुए सरकार व प्रशासन ने रैन बसेरों की व्यवस्था की हैं, ताकि राहगीरों को कोई परेशानी न झेलनी पड़े। इसी के चलते रेलवे रोड स्थित नगर परिषद परिसर में रैन बसेरे की व्यवस्था हैं, जिसमें 50 बिस्तर हमेशा राहगीरों को इंतजार करते रहते हैं और जरूरतमंद पड़ने पर नप प्रशासन 100-200 या इससे भी अधिक व्यवस्था करने में सक्षम हैं। इसके अलावा नप प्रशासन रैन बसेरे में आने वाले भूखे राहगीर के लिए खाने की भी व्यवस्था करता हैं, ताकि कोई मजबूरीवश भूखा व खुले आसमान के नीचे न सोए।

बस स्टैंड के बूथ नंबर तीन के पीछे रैन बसेरे की व्यवस्था बताई जाती है, लेकिन राहगीरों व मुसाफिरों द्वारा पूछे जाने पर नगर परिषद की ओर इशारा किया जाता हैं। इस संबंध में रोडवेज कर्मचारी से पूछे जाने पर बताया कि मैंने सुना नहीं कि यहां पर रैन बसेरा चालू कर दिया हैं, सर्दी के मौसम में रैन बसेरे की व्यवस्था तो करते हैं। जानकारी अनुसार बस स्टैंड के रैन बसेरे में मात्र मेज ही बिछी हुई हैं, जहां पर मुसाफिर आखिर कैसे रात बिताए और रजाइयों के दर्शन तो जनवरी माह में होने की उम्मीद हैं।

खाने पीने व रहने की पर्याप्त व्यवस्था

नगर परिषद परिसर में चल रहे रैन बसेरे में राहगीरों व जरूरतमंदों के खाने पीने व रहने की पर्याप्त व्यवस्था है और ये व्यवस्था सप्ताह के सातों दिन चौबीसों घंटे के लिए स्थायी तौर पर है। रैन बसेरे में हमेशा 50 बिस्तर लगे रहते है, जिन पर कोई भी जरूरतमंद व राहगीर विश्राम कर सकता है। इसके अलावा जरूरत के हिसाब से कितनी भी संख्या बढ़ानी पड़े तो उसकी भी पूरी व्यवस्था व प्लानिंग हं। रैन बसेरे में आने वाले भूखे राहगीर के खाने की भी व्यवस्था की जाती है, ताकि कोई भूखे पेट न सोए।

-प्रीति भवानी प्रताप, चेयरपर्सन, नगर परिषद, भिवानी

काफी लेट शुरू होते थे रैन बसेरे

सर्दी के मौसम में जिला प्रशासन द्वारा नगर परिषद, रेडक्रॉस सोसाइटी कार्यालय परिसर व बस स्टैंड पर रेन बसेरे की व्यवस्था की जाती थी, लेकिन पहले सर्दी के मौसम के 15 दिन जाने के बाद भी रेन बसेरों को शुरु नहीं किया जाता था, जहां पर कोई मुसाफिर व जरूरतमंद रात बिता सके। इस संबंध में अगर कोई जानकारी ली जाती तो जबाव मिलता था कि कोई रुकने आएगा तो व्यवस्था हो जाएगी।

विश्राम गृह में ठहराने की व्यवस्था बंद

रैन बसेरों की जानकारी नहीं होने के कारण राहगीर रेलवे के टिकटघर में रात बिताते हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित नहीं होता। कुछ लोग धर्मशालाओं या फिर होटलों में रात बिताते हैं और उन्हें मजबूरीवश आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता हैं। पहले रेलवे द्वारा रात को गाड़ी पकड़ने वाले यात्रियों के रुकने के लिए विश्राम गृह की व्यवस्था की जाती थी, लेकिन अब यात्री टिकटघर की खिड़की के सामने में सोते नजर आते हैं।

16 का शिलान्यास व एक परियोजना का उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर गांव सिंघानी में होगा कार्यक्रम

■ मुख्यमंत्री बतौर मुख्य अतिथि करेंगे शिरकत

पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर गांव सिंघानी में 24 दिसंबर को आयोजित होने वाले अन्नदाता महासम्मेलन में मुख्यमंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल करोड़ों रूपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे।

डीसी नरेश नरवाल ने बताया कि जिले के गांव सिंघानी में आयोजित अन्नदाता महासम्मेलन के अवसर पर मु ख्य मं त्री मनोहर लाल करोड़ों रुपये की लागत से तैयार विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे।

स्कूल का उद्घाटन करेंगे

उन्होंने बताया कि 279 लाख रुपये से बने राजकीय सीसै स्कूल लोहारू का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा गांव झांझडा.टोडा.श्योराण रेलवेअंडरपास लागत 763.81 लाख रुपय गांव गौठडा रेलवे अंडरपास की लागत 894.21 लाख रुपये, गांव सोहासड़ा अंडरपास लागत 891.25 लाख रुपये, गांव बरालू का अंडरपास की लागत 792.25 रुपये, लोहारू की नई सब्जी मंडी लागत 751.30 लाख रुपये, कुड़ल बास से सिरसली वाया श्याम कला लिंक रोड़ पर लागत 239.22 लाख रुपये तथा 200.34 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गांव कुड़ल से अल्लाउदीनपुर लिंक रोड़ का शिलान्यास करेंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री गांव ढ़ाणी लक्ष्मण से कुड़ल लिंक रोड पर लागत 237.55 लाख रुपये, लिलस से सिवानी लिंक पर लागत 340.13 लाख रुपये, गांव बड़वा से रूपाणा लिंक रोड़ पर लागत 154.27 लाख रुपये, गांव पाथरवाली से भानगढ़ वाया ढ़ाणी शंकर लिंक रोड़ पर लागत 271.84 लाख रुपये, पपोसा से सिवाना वाया भिवानी हांसी लिंक रोड़ पर लागत 239.66 लाख रुपये, गांव सुई से दांग खुर्द लिंक पर लागता 281.60 लाख रुपये, गांव बहल से भौजान अपटू राजस्थान बार्डर पर लागत 204.10 लाख रुपये, दमकौरा डिस्टीब्यूट्री का नवीनीकरण आरडी 0 से टेल तक की लागत 1239.18 लाख रुपये तथा 1475.01 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाली लाडावास डिस्टीब्यूट्री का नवीनीकरण क शिलान्यास करेंगे।

पुलिस की कार्य प्रणाली का विरोध करते हुए सड़क पर उतरे लोग, शहर में प्रदर्शन

■ बैठक में पुलिस पर झूठे मुकदमें दर्ज करने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शनिवार को रोज गार्डन में पुलिस की संदिग्ध भूमिका व सामाजिक सुरक्षा को लेकर अधिवक्ता संजीव तक्षक के नेतृत्व में बैठक हुई। बैठक में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली के खिलाफ सैकड़ों लोगों ने शहर में विरोध प्रदर्शन किया तथा पुतला फूंका। बैठक में पुलिस पर झूठे मुकदमें दर्ज करने का आरोप लगाया तथा कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए। बैठक को सम्बोधित करते हुए अधिवक्ता संजीव तक्षक ने जिला पुलिस की करनी प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि कहा कि लम्बे समय से सरकारें बदलती रहीए नेता बदलते रहे किन्तु पुलिस का रवैया नहीं बदला। आज भी दादरी जिला में दर्जन लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए तथा ब्लैकमेलिंग की गई। इस तरह की कार्यप्रणाली से समाज भय के साये में अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। कोई भी व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। पुलिस लगातार झूठे मुकदमे दर्ज कर रही है। अधिवक्ता ने कहा कि पूर्व प्राचार्य ईश्वर सिंह डोहकी पर झूठा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व प्राचार्य ने गांव में किसी अपने परिचित व्यक्ति को रूपये उधार दिए थे। जब उस व्यक्ति से रूपये मांगे तो एक प्लॉन के तहत उनसे बर्बरता की गई तथा अश्लील वीडियो बनाई गई। बदले में मोटे रूपये देने की मांग की। पूर्व प्राचार्य अपने मान.सम्मान को बचाए रखने के लिए उन्हें रूपये देता रहाए लेकिन आरोपियों ने उनकी वीडियो वायरल कर दी। उसके बाद पूर्व प्राचार्य ने पुलिस का सहारा लिया तो पुलिस प्रशासन ने शुरू में तो मुकदमा दर्ज करने की बात कही, किन्तु बाद में पूर्व प्राचार्य के खिलाफ ही एससी एसटी का मुकदमा दर्ज कर दिया। जिससे आमजन में पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष बढ़ गया। यादव सभा के प्रधान नरेश यादव ने बताया कि मेरे ही

चरखी दादरी। शहर में विरोध प्रदर्शन करते हुए नागरिक। फोटो: हरिभूमि

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भिवानी की बेटी सुनील ने गोल्ड-सिल्वर पर मारा ठप्पा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अगर खिलाड़ी के हौसले बुलंद हों और कड़ी मेहनत की जाए तो सफलता उसके कदमों में होती है। इसी हौसले की बदौलत भिवानी के लेंघा गांव की जीआरपी में हवलदार के पद पर तैनात बेटी सुनील कुमारी ने हैदराबाद में शुक्रवार को संपन्न हुई 10वीं वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1 स्वर्ण पदक व 1 सिल्वर मेडल जीत लिया है।

हरियाणा पुलिस की जवान सुनील कुमारी ने हैदराबाद के लाल बहादुर शास्त्री खेल स्टेडियम में आयोजित हुई 10वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग व इनक्लाइन बेंच प्रेस में इंडिया टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में यूएसए नेपाल, कजाकिस्तान, किरगिस, किर्गिस्तान, सूडान, श्रीलंका सहित 15 देशों के 280

भिवानी। पदक विजेता खुशी मनाते हुए।

खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। सुनील कुमारी ने बताया कि खिलाड़ी की कड़ी मेहनत के बीच में आने वाली बाधाएं ही खिलाड़ी को असली मजबूती प्रदान करती हैं। उनको 65 किलोग्राम भार वर्ग की सीनियर कटेगरी में गोल्ड मेडल मिला है इसमें उन्होंने नेपाल की खिलाड़ी को पछाड़ा है। वहीं स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में नेपाल की खिलाड़ी से मामूली स्कोर में पिछड़कर सिल्वर मेडल हासिल किया है।

हर कदम पर मिले जज्बे ने दिलाया मेडल: वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने पर सुनील कुमारी ने बताया कि उन्हें इस प्रतियोगिता के लिए इंडिया टीम के चीफ कोच संदीप कड़वासराए इंडिया टीम के मैनेजर महेश श्योराण,वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी बाबुल बिकास पत्रनाबिस, प्रेसिडेंट डा काकुब अजीम ने प्रोत्साहित किया। वही इस जीत का श्रेय उनकी मेहनत से अधिक वे जीआरपी के एसपी व स्टाफ को देती हैं जिन्होंने उन्हें इस मुकाम को पाने के लिए समय दिया है।

पारा 7 डिग्री सेल्सियस पर, सूर्यदेव खेलता रहा आंख मिचौली

धुंध ने वाहनों के रोके कदम, ठंड से ठिठुरने लगी छोटी काशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दो दिनों तक चटक धूप खिलने के बाद शनिवार अल सुबह धुंध की चादर तन गई। दृश्यता कम होने की वजह वाहनों को कदम ठिठके। वाहन चालकों को गंत्तव्य तक पहुंचने में दोगुना समय लगा। धुंध के चलते पारा भी नीचे लूढ़क गया। शनिवार सुबह पारा सात डिग्री सेल्सियस पर रहा।

इस दौरान सूर्यदेव ने भी धुंध के बादलों के साथ आंख मिचौली का खेल खेला। पारा नीचे आने से ठिठुरन बढ़ गई। दोपहर तक लोग अलाव सेकतें नजर आए। दोहपर बाद भी इसी तरह का मौसम बना रहा है। सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त धुंध की चादर तनी हुई थी। गहनता के चलते लोगों को दस मीटर से ज्यादा दूरी का नजर नहीं आ रहा था। यह स्थिति देहात में ओर भी ज्यादा विकट बनी रही। दृश्यता कम होने के चलते वाहन चालकों को वाहनों की लाइटें जलाकर एक दूसरे के पीछे चलकर गंत्तव्य तक पहुंचे। वाहन चालकों को गंत्तव्य तक की दूरी दोगुने समय में पूरा किया। जिसकी वजह से वाहन चालकों को अतिरिक्त समय व अतिरिक्त खर्च भी वहन करना पड़ा। करीब दस बजे तक धुंध की चादर तनी रही।

उसके बाद अचानक हवा का

झौंका आया और धुंध की चादर फटने लगी। इस दौरान सूर्यदेव भी धुंध के बादलों के बीच से झांकते नजर आए। जब सूर्य देव के दर्शन होते तो उस वक्त सर्दी से थोड़ी सी राहत मिलती,लेकिन बादलों का ओट में जाते ही फिर से कंपकपी छूटन लगती।

अलाव बनी लोगों का सहारा

कड़ाके की ठंड व धुंध की चादर तनने के बाद लोगों के पास अलाव ही ठंड से बचने का एक सहारा बचा। बाजार के अलावा देहात इलाके में भी सुबह से ही लोग अलाव के सहारे बैठे नजर आए। दस बजे तक लोग आग के सहारे बैठे रहे। उसके बाद धुंध की चादर फटनी शुरू हुई और सूर्यदेव के दर्शन हुए तो लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली। धीमी गति से चली हवा ने लोगों कंपकंपी बंधाए रखी।

फसलों में होगा फायदा : इस मौसम की पहली धुंध शुरू होने से किसानों के चेहरे खिल उठे। चूंकि इस मौसम में धुंध रबी फसलों के लिए फायदेमंद मानी जाती है। ज्यादा धुंध गिरेगी तो फसलों में फुटाव बनेगा और बढ़वार होगी। जिसके फसलों की औसतन पैदावार में बढ़ौतरी होगी। किसानों को फायदा मिलेगा। यहां यह बताते चलते कि इस मौसम में धुंध गिरने से रबी फसलों के लिए माकूल मानी जाती है। जब तक धुंध नहीं गिरती। तब तक फसलों में फुटाव नहीं बढ़ पाता।

नारियल फोड़कर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने सेक्टर 13 के पार्क का नवीनीकरण का कार्य करवाया शुरू

भिवानी। शनिवार को नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने वार्ड संख्या एक के सेक्टर.13 स्थित पार्क के नवीनीकरण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ करवाया। अब सेक्टर के पार्क ही नहीं बल्कि शहर का कोई भी पार्क जर्जर नहीं रहेगा। पार्कों के नवीनीकरण पर हजारों रुपये खर्च किए जा रहे है। नवीनीकरण के तहत पार्क की चारदिवारी, पगडंडियां, झूगे, फव्वारे व अन्य कार्य शामिल है। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने कहा कि शहर का कोई ऐसा पार्क जर्जर नहीं बचेगा। कुछ जर्जर पाकारे के सुधारीकरण का कार्य पूरा हो चुका है,कुछ में कार्य शुरू है। उन्होंने बताया कि सेक्टर.13 स्थित पार्क के सुधारीकरण में लाखों रुपये खर्च किए जा रहे है। जिसके तहत पार्क की चारदिवारी, झूगे, पगडंडियां, पेड़ व पौधे आदि लगवाए जाएंगे। ताकि शहर के सभी पाकारें को सुधारा जा सके। पाकारें की स्थिति सुधरने के बाद शहर की स्व छता को पंख लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि सीएम मनोहर लाल व विधायक घनश्याम सर्राफ भिवानी शहर के विकास व सौंदर्यकरण के लिए दिल खोलकर बजट जारी कर रहे है,जिसकी वजह से शहर के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस मौके पर वार्ड संख्या एक के पार्षद सूर्यकांत तंवर, वार्ड संख्या 23 के पार्षद मनोज खनगवाल,कमल, हेमू, सतबीर सिंह के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

■ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम ■ ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
■ रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प ■ निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
■ शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम ■ कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

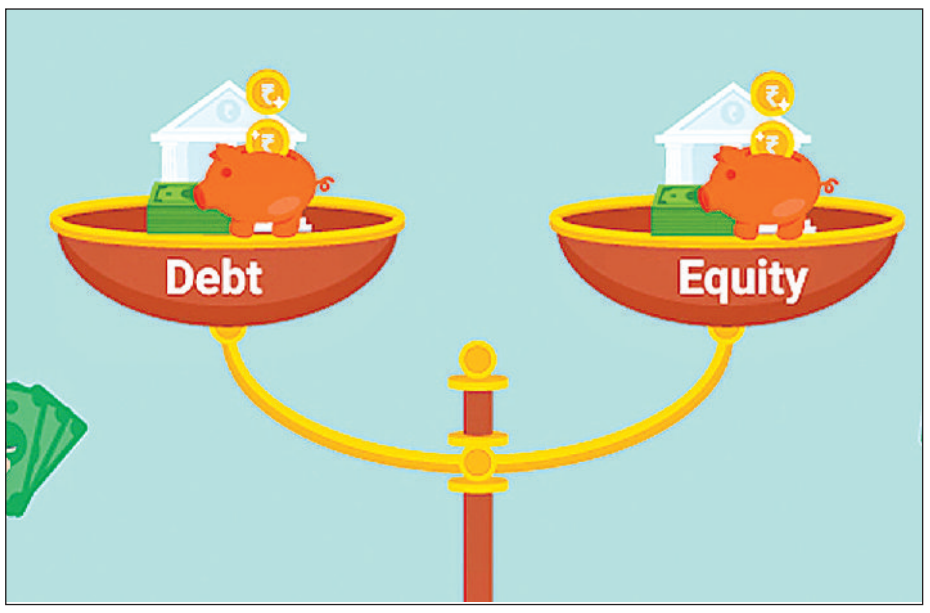

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

खबर संक्षेप

समस्याओं का घर द्वार पर हो रहा है निवारण

तोशाम। विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को गांव मिरान व ढाणी मिरान पंहुची। इस मौके पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाया गया। जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक ने कहा कि योजनाओं का लाभ आमजन को सुगमता से पारदर्शी तरीके से दिलवाने का काम किया जा रहा है।

बीआरसीएम कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

बहल। बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल आईक्यूएससी द्वारा अनुसंधान और परियोजनाओं के लिए अनुदान प्राप्त करने की जानकारी देने के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कहा गया कि आज के युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ज्यादा प्रोजेक्ट्स लिखने की जरूरत है।

अन्नदाता सम्मेलन होगा ऐतिहासिक : अनिल

तोशाम। गांव सिंघानी में रविवार को होने वाले अन्नदाता सम्मेलन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने पूरी तरह से कमर कस ली है, जिसको लेकर तोशाम निवासी समाजसेवी अनिल शर्मा ने दावा किया कि तोशाम हलके से सैकड़ों गाड़ियां अन्नदाता सम्मेलन में पहुंचेंगी। शर्मा ने हलके गांवों में सम्मेलन में जाने वाली गाड़ियों की शनिवार को ड्यूटियां लगाई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को मिल रहा समर्थन

चरखी दादरी। जिले में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा को भरपूर जनसमर्थन मिलने लगा है और यात्रा के माध्यम से लोगो की परेशानियां भी दूर होने लगी हैं। सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ लोगों को उनके घर द्वार पर ही मिल रहा है। शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा जिला के महराणा, माई खुर्द और काकड़ोली सरदारा में पहुंची।

बच्चों को वितरित किए शीतकालीन वस्त्र

बवानीखेड़ा। बोहल के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय में गांव पुर के समाजसेवी व व्यवसाय विकास जांगड़ा ने अपने दादा स्वर्गीय जोगीराम जांगड़ा व दादी स्वर्गीय श्रीमती राम प्यारी की स्मृति में प्राथमिक विद्यालय के सभी बच्चों को शीतकालीन वस्त्र वितरण किए। विकास जांगड़ा ने बताया कि दादा.दादी का आशीर्वाद आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

दादू नगरी में 251 मटकों की 18वीं जलधारा शुरू

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के बाबा सोमवारपुरी कुटिया में पिछले काफी समय से कस्बा में सुख-शांति के लिए महंत कैलाश गिरी द्वारा सर्दी में ठंडे जलधारा में अपने आपको समर्पित किए हुए हैं। इस बार भी ये जलधारा 22 दिसंबर 2023 से शुरू हुई और इसका समापन 1 फरवरी 2024 को होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 18वीं जलधारा है और महंत कैलाश गिनी महाराज में लोगों की बहुत आस्था और विश्वास है।

समीर चौधरी का ग्रामीण दौरा जारी

लोहारू। कांग्रेस पार्टी के पूर्व युवा हलका अध्यक्ष समीर चौधरी और आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त भिवानी.महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के कोर्डिनेटर हंसमुख चौधरी इन दिनों लोहारू हलके के गांवों में जनसंपर्क अभियान पर हैं। शनिवार को उन्होंने गांव खरकड़ी, झांझड़ा हसनपुर,ढाणी अहमद, बरालू, दमकोरा, झांझड़ा श्योराण, झांझड़ा टोडा, झांझड़ा बास आदि गांवों का दौरा किया।

सेंट जेवियर्स में तुलसी दिवस का आयोजन

भिवानी। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल में तुलसी दिवस का आयोजन किया। योग वेदांत सेवा समिति द्वारा राजेन्द्र लाठर, कविता आहुजा व मधु विद्यालय में उपस्थित हुई और तुलसी पूजन के विषय में छात्रों को ज्ञान दिया।

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने करवाया आयोजन

जिला स्तरीय कला उत्सव में विद्यार्थी कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विद्यार्थियों ने अलग अलग 10 स्पर्धा में अपनी प्रतिभा दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की तरफ से जिला परियोजना संयोजक समग्र शिक्षा कार्यालय में जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में खंड स्तर पर आयोजित कला उत्सव में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया और अलग.अलग 10 स्पर्धा में अपनी प्रतिभा दिखाई ।

इस कार्यक्रम में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष नागर ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने जिला स्तर पर सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया व सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाए दी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सहायक परियोजना संयोजक कर्मवीर सिंह ने बताया की जिला सत्र पर प्रथम आने वाले सभी प्रतिभागी पंचकूला में होने वाली राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय से विनोद कुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निमड़ीवाली से प्राचार्य अनीता नाथ, डॉक्टर आशा, सोनिया, सुषमा, साहिल, कपूर सिंह सैनी व सुधांशु शर्मा ने निर्णायक की भूमिका अदा की। कार्यक्त्रम में कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहायक परियोजना संयोजक बलजीत सिंह दहिया, विवेक अदलखा, एनएसक्यूएफ कोऑर्डिनेटर महेंद्र सिंह वर्मा सूर्यमणि व डीपीसी कार्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों के अलावा एबीआरसी स्नेह लता, समाजसेवी एबीआरसी अनीता, शकुंतला, पंकज रानी, आशीष लेखाकार मुकेश व संदीप ने अपनी अहम भूमिका अदा की। जिला परियोजना संयोजक ज्ञानेंद्र सिंह नेहरा ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल व कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोगी रहे समग्र शिक्षा के सभी कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

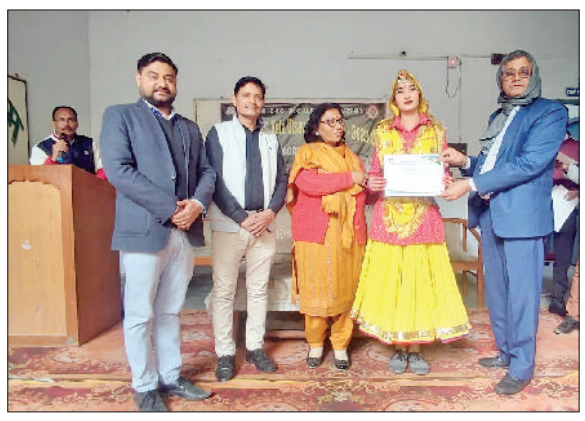

बवानीखेड़ा। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

ये रहे परिणाम

लड़कियों के वर्ग में विजेता स्वर संगीत शास्त्रीय में राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल तोशाम से किरण, शास्त्रीय संगीत पारंपरिक लोक में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरक कला से ज्योत्सना, वाद्य संगीत मधुर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक मंढाणा से आकांक्षा वाद्य संगीत ताल वाद्य मैं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंढाणा से पायल, दृश्य कला 2 में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जूई खुर्द से पुनीता, दृश्य कला 3डी में पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी की ईशु, स्वदेशी खिलौने और खेल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पालुवास की तमन्ना, शास्त्रीय नृत्य में एसआरएस भिवानी की नीलीशा,लोक नृत्य में एसआरएस भिवानी की वासु तथा नाटक एकल अभिनय में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कितलाना की दीपिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई

भिवानी। गांव निमड़ीवाली में टॉवरों के विरोध में जारी धरने पर शनिवार को किसान मसीहा एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर व गुड़ वितरित कर मनाई। इस मौके पर किसान नेता राकेश आर्य ने कहा कि चौधरी चरण सिंह द्वारा किए कार्य अविस्मरणीय है। जमींदारी उन्मूलन चकबंदी का कानून, आईएएस, आईपीएस की परीक्षा हिंदी में कराने का फैसला, ग्रामीण विकास मंत्रालय की स्थापना जैसे निर्णय काफी ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विद्युतीकरण की स्थापना, नबार्ड बैंक की स्थापना चौधरी चरण सिंह की देन है। चौधरी चरण सिंह की नीतियों को लागू करके ही देश एक फिर से सोने की चिड़िया बन सकता है। उन्होंने कहा कि गांवों की आर्थिक प्रगति के लिए चौधरी चरण सिंह लघु एवं विकेंद्रित उद्योगों के हिमायती थे। उनका मानना था कि कृषि मजदूरों एवं अन्य लाखों गरीब किसानों एवं ग्रामीण बेरोजगारों की आय बढ़ाने के लिए कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देना अति आवश्यक है। किसानों की समृद्धि के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने किसान हितों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए, उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने 24 दिसंबर को ओबरा में चौधरी चरणसिंह की जयंती कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर राजेश मंदेरणा, करतार गिल, रघुबीर खरबास, वीरभान गिल आदि मौजूद रहे।

शिक्षा बोर्ड में मनाया गया गीता जयंती महोत्सव

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में गीता जयंती के उपलक्ष्य में एक मिनट एक साथ गीता पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष कार्यकारी अधिकारी अध्यक्ष डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्कूल के विद्यार्थी, स्टाफ व बोर्ड के कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव ने बताया कि गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द के मार्गदर्शन में विश्व पटल पर एक मिनट एक साथ गीता पाठ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गीता के सभी अनुयायियों द्वारा संपूर्ण विश्व में गीता पाठ का उच्चारण किया गया है। इसी कड़ी में शिक्षा बोर्ड के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों द्वारा एक साथ गीता पाठ व श्लोकों का उच्चारण किया गया। इस अवसर पर बोर्ड सचिव ज्योति मित्तल ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश हरियाणा में ही सुनाया था। गीता के माध्यम से हम व्यक्ति को एक नया प्रतिबिम्ब प्रदान कर सकते हैं।

गीता हिन्दू आस्था व देश का गौरव ग्रन्थः डॉ. अंचल

भिवानी। शनिवार को श्री गीता जयंती के अवसर पर यहां दिनोद गेट स्थित अंचल मैटरनिटी एवं मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के प्रांगण में गीता मनीषी ज्ञानानंद के वैश्विक आह्वान हम एक बने नेक बने पर चलते हुए एक साथ 1 मिनट के लिए श्री गीता पाठ किया गया। अस्पताल में पहुंचे सभी वरिष्ठ जन चिकित्सा व चिकित्सा के लिए पहुंचे मरीज व उनके परिजनों ने इस पाठ में पूरी श्रद्धा से भाग लिया। श्री गीता जयंती के इस सामूहिक 1 मिनट के पाठ में गीता अध्याय का प्रथम मध्य एवं अंतिम श्लोक का पाठ किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद अंचल ने कहा कि श्रीमद्भगवद् गीता हिन्दु आस्था और भारत का गौरव ग्रन्थ होते हुए भी केवल यहीं तक सीमित नहीं, प्राणीमात्र के हित चिन्तन को समर्पित है यह पावन प्रेरक शास्त्र। गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानन्द की सत्प्रेरणा से जीओ गीता इसीलिये गीता को हर क्षेत्र में जन जन की व्यावहारिक प्रेरणा बनाने के लिए संकल्पित भाव से प्रयासरत है। इस अवसर पर अस्पताल की महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनीता अंचल, डॉ. प्रिया, अस्पताल के अध्यक्ष वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर कृष्ण कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री व गृहमंत्री को दिव्यांगजन क्रिकेट मैच देखने का दिया जाएगा न्योता : सर्राफ

भिवानी। आगामी 28 जनवरी से 6 फरवरी तक गुजरात के अहमदाबाद के अनेक खेल मैदानों में दिव्यांग खिलाड़ियों की इंगलैंड व भारत टीमों की पांच मैचों की बाय लेटर टी 20 श्रृंखला खेली जाएगी, जिसको लेकर जनवरी में इंग्लैंड की टीम गुजरात पहुंचेगी, जिसकी तैयारी को लेकर बीसीसीआई से संबंधि डीसीएआई के पदाधिकारी लगे हुए हैं। इसी संदर्भ में शनिवार को निजी रेस्तरां में डीसीआई के महासचिव रवि चौहान, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, पीसीसीएआई के चेयरमैन एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने पत्रकारवार्ता की। डीसीआई के महासचिव रवि चौहान ने कहा कि 28 जनवरी से 6 फरवरी तक पांच मैचों की श्रृंखला रहेगी और ये मैच अहमदाबाद के खेल मैदानों में खेल जाएंगे, जिसमें गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन सभी प्रकार की सुविधा खिलाड़ियों को उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि इन खेल मैदानों में रणजी सहित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच पहले हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि पहला व दूसरा मैच नरेंद्र मोदी बी मैदान में खेला जाएगा, तीसरा मैच गुजरात के कॉलेज व चौथा मैच रेलवे डिपार्टमेंट के खेल मैदान में खेला जाएगा। श्रृंखला का पांचवा फाइनल मुकाबला विश्व का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम नरेंद्र मोदी खेल मैदान में खेला जाएगा।

क्विज में एचडी बिरोहड के विद्यार्थी अवल्ल

- एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड में हुई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती, इन्ही पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए आज एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड के संस्कार सभागार में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें साइंस वकिंर्ग मॉडल, अंतर विद्यालय क्विज, फैंसी ड्रेस कंपीटीशन व स्पैल बी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर अतिथि व निर्णायक के रूप में विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया, गवर्नमेंट कॉलेज के प्रोफेसर राजेश सहरावत एवं शिवानी जाखड़ ने शिरकत की। साइंस वकिंर्ग मॉडल में एचडी साल्हावास के विद्यार्थी कुणाल व दुर्गा, नंदिनी ने प्रथम व एचडी बिरोहड के प्रतिभागी यशवी, हिमांशी व छवि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फैंसी ड्रेस में एचडी साल्हावास के प्रतिभागी अंशुल व मिहिका ने प्रथम, द्वितीय तथा एचडी बहु अकबरपुर के प्रतिभागी भूमिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्पेल बी में एचडी बिरोहड के प्रतिभागियों ने प्रथम एचडी साल्हावास व बहुअकबरपुर के विद्यार्थियों ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज में एचडी बिरोहड के विद्यार्थियों ने प्रथम व एचडी बहु अकबरपुर साल्हावास के विद्यार्थियों ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने विद्यार्थियों व अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्राचार्या नमिता दास, उपप्राचार्य नवीन सनवाल, समन्वक सीमा मलिक, पूजा शर्मा आदि मौजूद थे।

चरखी दादरी। मॉडल का अवलोकन करते हुए स्कूल निदेशक। फोटो : हरिभूमि

मतदाता सूची में तीन तक करवा सकते हैं नाम दर्ज

भिवानी। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची में तीन जनवरी 2024 तक नाम दर्ज करवा सकते हैं। एसडीएम दीपक बाबू लाल करवा ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के चुनाव के लिए मतदाता सूची का मसौदा 18 दिसंबर 2023 को प्रकाशित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि कोई भी सिख जो अपेक्षित योग्यता पूरी करता है और उसने अभी तक अपना नाम हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची में दर्ज नहीं करवाया है, वह तीन जनवरी 2024 तक अपना नाम दर्ज करवाने के लिए रिटर्निंग अधिकारी को आवेदन कर सकता है। नाम पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध हैं।

गीता वितरण एवं श्लोकोच्चारण के साथ मनाई गीता जयंती

भिवानी। गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था रजि. द्वारा शनिवार को कोंट रोड़ नवनिर्मित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में गीता वितरण एवं गीता शखोकोच्चारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अनेक लोगों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था रजि. की प्रधान उर्मिला सुरेश सैनी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गीता के उपदेश आज के समय में भी लोगों के जीवन को घोर निराशा से निकालने का काम करते है। धार्मिक ग्रंथ गीता में बताया गया है कि जब अर्जुन अपने कर्तव्यों से भटक गए थेए तो कुरुक्षेत्र के मैदान में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया था।

पेंटिंग में आरजू ने मारी बाजी

- विद्यार्थियों को दी कानूनी संरक्षण की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य डॉ. मांगेराम व मीना शर्मा ने राजकीय वमा स्कूल बिधनोई और उपदेश वमा स्कूल नुनसर में पहुंचे। इन स्कूलों में बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई, जिसमें इन प्रतियोगिताओं में कक्षा 6 से 8, कक्षा 9 से 10 व कक्षा 11 से 12 कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए तीन ग्रुप बनाए गए। प्रतियोगिता में बच्चों के लिए बाल अपराधों, लैंगिग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) और शिक्षा के अधिकार पर पेंटिंग, ड्राइंग और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीईओ शिवकुमार ने की। राजकीय वमा स्कूल बिधनोई पेंटिंग प्रतियोगिता में 6से 8 कक्षाके विद्यार्थियों में प्रथम स्थान पर आरजू , दूसरा स्थान खुशी, तीसरा स्थान आरजू पुत्री अतर सिंह, 9 से 10 कक्षा के विधाथीर्यों में प्रथम भारती, दूसरा सपना, तीसरा श्रुति 11 से 12 कक्षा के विधाथीर्यों में प्रथम स्थान किरण, दूसरा स्थान ज्योति, रीना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उपदेश वमा स्कूल नुनसर 6 से 8 कक्षा के विद्यार्थियों में प्रथम स्थान पर स्नेह, दूसरा तनु, तीसरा साक्षी का रहा।

भिवानी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

कैश आवार्ड को लेकर बुजुर्ग खिलाड़ी लामबद

बाढ़ड़ा। कैश अवार्ड नहीं मिलने पर प्रदेश के बुजुर्ग खिलाड़ियों में रोष बना हुआ है। बीते कुछ समय से वे लगातार अपनी मांग को बुलंद कर रहे हैं। ये खिलाड़ी सीएम विंडो के जरिए व डीसी को सीएम के नाम ज्ञापन भेजकर कैश अवार्ड देने की मांग कर चुके हैं लेकिन अभी तक उनकी बात नहीं सुनी गई हैं।प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को भिवानी जिले के सिंघानी में आयोजित अन्नदाता सम्मेलन के दौरान सीएम से मिलकर बात उनके समक्ष रखने का निर्णय लिया हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व स्टेट लेवल पर 200 से अधिक मेडल जीतने वाले व खिलाड़ियों की अगुवाई कर रहे बाढ़ड़ा निवासी रामकिशन शर्मा ने सीएम से मिलवाने के लिए भाजपा नेता से संपर्क किया है।

क्रिकेट खिलाड़ी अनिषा दलाल का गांव घुसकानी पहुंचने पर रेड रोज स्कूल में किया भव्य स्वागत

भिवानी। महिला अंडर 15 वन डे क्रिकेट टीम में हरियाणा टीम की सदस्य अनिशा दलाल का गांव घुसकानी पहुंचने पर रैड रोज सिनियर सकेंडरी स्कूल के संचालक अनिल दलाल द्वारा स्कूल प्रांगण में शानदार सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह के दौरान अनिषा दलाल ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस टूर्नामेंट को अपने व हरियाणा प्रदेश के नाम किया। फाइनल मुकाबले में हरियाणा टीम ने दिल्ली की टीम को हराकर खिताब जीता। यह मैच माहौली क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। समारोह में गांव घुसकानी के सरपंच संदीप सिंह, पूर्व सरपंच सतपाल सिंह, गांव मिताथल के सरपंच नरेश सिवाच, सुभाष तिगड़ाना,विजय पाल तिगड़ाना, सुबेदार राजेन्द्र ढाणा नरसाण,पवन बिगोवा, पंडित जयपाल, सुबेदार हरिपाल, राममगत,सनेश, रामनारायण, राजबीर सहित स्कूल स्टाफ व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। अनिषा दलाल के दादा इंस्पेक्टर हरस्वरूप दलाल द्वारा स्कूल संचालक अनिल दलाल व ग्रामीणों द्वारा किए गए सम्मान समारोह में व्यक्त की।

गणित प्रश्नोत्तरी में टीम सी प्रथम

भिवानी। पंडित सीताराम शास्त्री बीएड ट्रेनिंग महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस व श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गणित क्लब के अंतर्गत डॉक्टर श्रेया की अध्यक्षता प्रतियोगिता करवाई, जिसमें पांच टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पांच राउंडों में गणित से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर टीम सी, द्वितीय स्थान पर टीम ए व तृतीय स्थान पर टीम ई रही। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रेखा व प्रवीण कुमारी ने निभाई। अंत में प्राचार्य डॉ. विकास शर्मा ने विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सरकार की गलत नीतियों ने जनता परेशान

उपभोक्ताओं से सिक्योरिटी लेना गलतः सविता मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

कांग्रेस महिला विंग प्रदेश महासचिव सविता मान ने कहा कि सभी बिजली उपभोक्ताओं की सिक्योरिटी राशि बिजली निगम के पास जमा होती है। जब पुराने मीटर की जगह नया मीटर गला रहे हैं तो फिर इसकी एवज में जनता से वसूली नहीं की जानी चाहिए। सरकार को अपने पास से ये मीटर लगाने चाहिए। एक तो जनता वैसे ही महंगाई के बोझ तले दबी हुई हैए ऊपर से सरकार की गलत नीतियों ने जनता को परेशान कर रखा है। वे अपने जनसंपर्क अभियान के तहत गांव रूपगढ़ में महिला कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की जो सिक्योरिटी राशि बिजली निगम के पास जमा है उस पर 18 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज की अदायगी करनी चाहिए। सविता मान ने कहा कि जिन रा'यों में चुनाव होते हैं वहां पर भाजपा के नेता जनता को मुफ्त बिजली मुहैया कराने के वादे करने से नहीं थकते। हरियाणा में लगातार 9 साल से भाजपा सत्ता में है और यहां फ्री बिजली देना तो दूर की बात लोगों को सिक्योरिटी चार्ज लगाकर भारी भरकम बिल भेजे जा रहे हैं। गरीब से गरीब परिवार का भी हजारों में बिजली बिल आ रहा है। उन्होंने कहा कि समझ नहीं आ रहा कि वह अपनी कमाई से परिवार का पेट भरे या भारी भरकम बिजली बिल भरकर सरकार की जेब भरे। जब पुराने मीटर सही चल रहे हैं तो फिर नए मीटरों पर करोड़ों खर्च करने का कोई औचित्य नहीं है। जहां भी अभी तक स्मार्ट मीटर लगे हैं । प्रदेश सरकार को गुपचुप तरीके से बिजली बिलों में स्मार्ट मीटर की एवज में ली जा रही राशि व एडवांस सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर की जा रही वसूली को तुरंत बंद किया जाए। इस अवसर पर अंजूए संतोष, बबलेश, कैलाश, शशिकला, रेखा, निशा, सुनीता, कमलेश, बबीता,सुमन, पुष्पा, रामरजा, मुन्नी, सुमित्रा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। एकत्रित महिलाओं को संबोधित करती कांग्रेस महिला विंग प्रदेश महासचिव सविता मान। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

जीवन जीने की राह दिखाती है गीता : शास्त्री

भिवानी। महम गेट स्थित श्रीहरियाणा शेखावटी संस्कृत महाविद्यालय में शनिवार को गीता महोत्सव मनाया गया। इस दौरान एक मिनट एक साथ गीता पाठ के तहत सामूहिक गीता पाठ किया गया। इस मौके पर साहित्य आचार्य हिमांशु सेमवाल व सुनील शास्त्री ने कहा कि पूरे विश्व में पवित्र ग्रंथ गीता की एक मात्र ही ऐसा ग्रंथ है जो जीवन जीने की राह दिखाता है और दुनिया की तमाम समस्याओं का निदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

संविधान निर्मात्री सभा के सचिव को किया नमन

भिवानी। संविधान निर्मात्री सभा के सचिव डॉ. रत्नप्पा कुम्हार बाबा साहेब के विशेष सहयोगी बने, जिन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता में सचिव पद का बाखूबी निर्वहन किया तथा वरिष्ठ सदस्य के रूप में ड्रॉफ्ट पर हस्ताक्षर किए। रत्नप्पा कुम्हार भारत के पहले लोकसभा के सदस्य भी बने, ये बात भारतीय प्रजापति हिरोज ऑर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ) के सहसंस्थापक रमेश टांक ने शनिवार को दिनोद गेट पर डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कही।

जीवन जीने की शैली है गीता : शिवरत्न गुप्ता

भिवानी। वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट एवं वैश्य मॉडल सीसै स्कूल, भिवानी के अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता हम सभी के लिए जीवन जीने की शैली का दर्शन है। इसका अनुसरण करने वाले व्यक्ति को जीवन में कभी भी असफलता का मुख नहीं देखना पड़ता। वे गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में आयोजित 'तीन श्लोकी गीता पाठ कार्यक्रम' में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहे।

पीएम तक गुहार लगाने पर भी नहीं मिला न्याय

बाढ़ड़ा। बदलाव यात्रा लेकर बाढ़ड़ा विस क्षेत्र में पहुंचे आप के वरिष्ठ नेता अशोक तंवर ने मीडिया से रूबरू होते हुए कुश्ती संघ के चुनाव के बाद बने हालातों को लेकर चर्चा की। कुश्ती संघ के चुनाव के बाद खिलाड़ियों के संन्यास व पदमश्री लौटाने को लेकर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री तक गुहार लगाने के बाद खिलाड़ियों की सुनवाई नहीं हुई।

सांसद ने गीता महोत्सव में स्टॉलों का बारीकी से अवलोकन किया

समाज में हमारी समृद्ध संस्कृति के प्रति चेतना जागृत करनी जरूरी : सांसद

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में एक स्टॉल पर जानकारी लेते हुए व स्टॉल का शुभारंभ करवाते सांसद धर्मबीर सिंह।

सांसद ने डाली हवन में आहुति, विधायक सर्राफ ने झंडी दिखाकर शोभायात्रा को किया रवाना, अनेक जगहों पर हुए गीता महोत्सव पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी-महेन्द्रगढ़ सांसद धर्मबीर सिंह ने शनिवार किरोड़ीमल पार्क में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि यज्ञमान के रूप में शामिल हुए व हवन में पूर्णाहुति डाली। सांसद ने गीता उत्सव की प्रदर्शनी में शिक्षण संस्थानों, धार्मिक व सामाजिक संस्थानों,स्वयं सहायता समूहों व विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का बारीकी से अवलोकन किया।

इस मौके पर गीता जयंती के नोडल अधिकारी एवं एसडीएम दीपक बाबू लाल करवा मौजूद रहे। सांसद धर्मबीर सिंह ने महोत्सव में अपना संदेश देते हुए कहा कि केवल आधारभूत ढ़ाचा बनाना ही विकास नहीं है बल्कि युवा पीढ़ी में संस्कारों का विकास और समाज में हमारी समृद्ध संस्कृति के प्रति चेतना जागृत करनी भी जरूरी है। गीता व्यक्ति को जीवन में अपने लक्ष्य को पहचान कर विकास के पथ पर निरंतर आगे बढऩे की सिख देती है। उन्होंने कहा कि हम खुश किस्मत है कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश हरियाणा की धरती पर ही दिया था।

गीता से ही जीव का कल्याण है, जिसकी आज समाज को जरूरत है। गीता के संदेश से समाज में फैली हुई कुरीतियों से दूर रह सकते हैं। युवा पीढ़ी को गीता के ज्ञान से जोडऩे की आवश्यकता है तभी एक मजबूत समाज का निर्माण संभव है।

गीता भारतीय संस्कृति का आधार है और हिन्दू शास्त्रों में गीता को प्रमुख स्थान दिया गया है। गीता एक ऐसा संपूर्ण विचार है जो भारतीय संस्कृति की विरासत है। दो दिवसीय गीता महोत्सव का शुभारंभ हवन से किया गया। आचार्य प्रदीप भारद्वाज,रामविलास शर्मा और प्रदीप शास्त्री ने हवन करवाया और मंत्रोच्चारण किया। सांसद धर्मबीर सिंह ने हवन में पूर्णाहुति डाली और श्रीमद्भगवद्गीता के समक्ष दीप प्रज्वलित किया।

स्कूली बच्चों ने दी धमाकेदार प्रस्तुति

जिला स्तरीय गीता महोत्सव में के दूसरे व अंतिम दिन गीता और हरियाणा के रीति.रिवाज व पम्परओं की अनुठी झलक देखने को मिली। ढोल नगाड़े व बीन.बाजे के साथ मुख्य अतिथि सांसद धर्मबीर सिंह का स्वागत किया गया। लोक कलाकारों एवं स्कूली बच्चों ने अपनी धमाकेदार प्रस्तुति देते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। भगवान श्री कृष्ण की जीवन लीलाओं एवं गीता में दिए उपदेशों पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खूब लुभाया। इस दौरान विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा शखोकोचारण भी किया।

भिवानी। गांव कुंगड़ में ग्राम स्वराज्य किसान विचार गोष्ठी में उपस्थित किसान।

किसानों को चौधरी चरण सिंह के दिखाए मार्ग पर चलने की जरूरत

- ग्राम स्वराज्य जनजागरण अभियान को गति देने को ग्रामस्तर पर बनेगी कमेटी : गोदारा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

किसान मसीहा एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने किसानों के हितों की लड़ाई आखिरी सांस तक लड़ी। उन्होंने किसानों को उनका हक दिलाने के लिए अपने पदों से इस्तीफे तक दे दिए थे, यही नहीं उनकी आर्थिक नीतियों पर लिखी गई किताबें दुनिया की प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी कैम्बरिज जैसे विश्वविद्यालयों में भी पढ़ाई जाती है। आज किसानों को चौधरी चरण सिंह के दिखाए मार्ग पर चलने एवं अपने हक पाने के लिए संघर्ष करने की जरूरत है।

ये बात ग्राम स्वराज्य किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन होशियार सिंह एवं महासचिव महेंद्र सिंह गोदारा ने शनिवार को गांव कुंगड़ में किसान विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया। गोष्ठी की अध्यक्षता बवानीखेड़ा ब्लॉक प्रधान चांदीराम कुंगड़, युवा ब्लॉक लीला पहलवान रोहणात एवं संचालन जिलाध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने किया। बता दें कि मोर्चा द्वारा ग्रामीणों को ग्राम स्वराज्य व गौ आधारित उत्तम टिकाऊ परंपरागत खेती के लिए चलाए जा रहे जनजागरण अभियान को गति देने पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से फैसला लिया कि अभियान को गति देने के लिए प्रत्येक गांवों में कमेटियां बनाई जाएगी, जो विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्राम स्वराज्य व गौ आधारित उत्तम टिकाऊ परंपरागत खेती के बारे लोगों को जागरूक करेंगे। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य राजपाल चाहर ने बताया कि 24 दिसंबर को गांव ओबरा में किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई जाएगी तथा 25 दिसंबर को बवानीखेड़ा की अनाज मंडी में मीटिंग होगी। इस अवसर पर राजसिंह धनाना, युद्धवीर खरेटा, सुरेश सरपंच किरावड़, हवासिंह शर्मा मंढ़ाणा, कपूरसिंह पुर, मास्टर सतबीर रतेरा, ईश्वर बागनवाला आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने किया सामूहिक गीता पाठ

- हनुमान जोहड़ी मंदिर में 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण छठे दिन भी रही जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में जारी 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा छठे दिन भी जारी रही।

इस दौरान गीता जयंती के उपलक्ष्य में एक मिनट एक साथ गीता पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें राजकीय उच्च विद्यालय हनुमान ढ़ाणी, राजकीय माध्यमिक विद्यालय हनुमान गेट व राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढ़ाणी माल्यान के करीबन 500 बच्चों ने सामूहिक तौर पर गीता का पाठ किया। इस मौके पर बालयोगी महंत चरणदास ने कहा कि इस वर्ष पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया भर में एक ही समय पर गीता के श्लोक एक साथ गूंजे है। उन्होंने गीता का हर एक श्लोक भगवान श्रीकृष्ण के मुख से निकला है। उन्होंने कहा कि गीता के उपदेश प्रत्येक जन को कलयुग में जीवन जीने का ढंग सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि गीता ग्रंथ को घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

भिवानी। हनुमान जोहड़ी मेंदिर में गीता पाठ की शपथ लेते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

पूर्व छात्र नेता के पिता के निधन पर जताया शोक

भिवानी। वैश्य कॉलेज के पूर्व छात्र नेता सुनील सीआर के पिता गोपीराम यादव के निधन पर शनिवार को विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के लोगों ने शोक जताया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। उनके निधन पर विधायक घनश्याम सर्राफ, नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने कहा कि गोपीराम यादव सामाजिक व पर्यावरण प्रेमी व्यक्ति थे, जो हमेशा दूसरो की मदद करने के साथ-साथ पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रखते थे। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान सत्यजीत पिलानिया, पूर्व चेयरमैन अमामनचंद प्रजापत, मनोज यादव, नरवेंद्र धोलिया, भूषण शर्मा, दिलबाग सिंह आद ने श्रद्धांजलि दी।

श्रीमद्भागवत गीता पाठ किया

- बीके स्कूल में श्रीमद्भागवत गीता महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानी खेड़ा में अंतरराष्ट्रीय श्रीमद्भागवत गीता महोत्सव के अवसर पर हर्षोल्लास का वातावरण रहा। इस अवसर पर कक्षा पहली से पांचवी में विद्यार्थियों ने श्लोकाच्चारण, नृत्य,संगीत में भाग लिया।

बच्चों ने रुचि के साथ कुरुक्षेत्र युद्ध भूमि में श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेशों का अर्थ समझाया। कक्षा छठी से बारहवीं तक अंतर सदनीय स्तर पर श्रीमद्भागवत गीता पर आधारित संस्कृत श्लोक उच्चारण, अनुवाद व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में विभाजित की गई। वरिष्ठ वर्ग में शांति निकेतन सदन से रूपाली व इंद्रप्रस्थ सदन से रौनक प्रथम स्थान पर, इंद्रप्रस्थ सदन से काजल द्वितीय स्थान पर व नालंदा सदन से पलक तृतीय स्थान पर रही। कनिष्ठ वर्ग मे तक्षशिला सदन से यशवी प्रथम स्थान पर, शांतिनिकेतन सदन से साक्षी द्वितीय स्थान पर तथा इंद्रप्रस्थ सदन से वर्षा व तक्षशिला सदन से हिमानी तृतीय स्थान पर रही।

बवानीखेड़ा। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बवानी खेड़ा में अंतरराष्ट्रीय श्रीमद्भागवत गीता महोत्सव के अवसर पर उपस्थितजन। *फोटो : हरिभूमि*

चार युवाओं ने रक्तदान कर बचाई बच्चे की जान

भिवानी। रक्तदान महादान होता है, रक्त की अहमियत का पता तब चलता है जब कोई अपना व्यक्ति रक्त की कमी से जूझ रहा हो, रक्त ही एकमात्र ऐसा पदार्थ है जिसका निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता, इसलिए हमें बढ़चढ़कर रक्तदान करना चाहिए। इसी कड़ी में निजी अस्पताल में दाखिल छोटे बच्चे के लिए चार यूनिट बी पॉजिटिव फ्रेश ब्लड की जरूरत पड़ी तो रक्तवीर राजेश डुडेजा की सूचना मिलते ही सुरेंद्र चौधरी, राहुल, कमलजीत व रामभगत ने रक्तदान कर बच्चे की जान बचाई। इस अवसर पर रक्तवीर राजेश डुडेजा ने बताया कि रक्तदान किसी के लिए भी बेहद सामान्य बात हो सकती है, लेकिन जरूरतमंद के लिए ये जिन्दगी और मौत का सवाल होता है, रक्त की जरूरत कभी भी किसी को भी पड़ सकती है, रक्त बहुत ज्यादा अनमोल है, रक्त की मांग दिनों-दिन बढ़ती जा रही है, लेकिन रक्तदान के प्रति जागरुकता कम होने की वजह से लोग हिचकिचाते हैं। रक्तवीर राजेश डुडेजा ने चारों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. मंदीप पंघाल, लैब टेक्नीशियन राहुल तंवर व नरेंद्र आदि उपस्थित थे।

एचसीएस अधिकारी ने बच्चों के बीच मनाई खुशी

भिवानी। आस्था स्पेशल स्कूल में हरियाणा रेगुलेटरी कमीशन पंचकूला सचिव एचसीएस अधिकारी नरेंद्र ने पुत्र रत्न की प्राप्ति पर अपने परिवार सहित दिव्यांग बच्चों के बीच खुशी मनाई। एचसीएस नरेंद्र ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को धारा में लाने एवं ऊजार्वान बनाने की दृष्टि से रिफ्रेशमेंट पार्टी का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि इन दिव्यांग बच्चों के बीच आने के लिए मात्र बहाना चाहिए और मुझे इनके बीच आकर बहुत ही अच्छा लगता हैं। प्राचार्य एवं संचालिका सुमन शर्मा ने बताया कि एक एचसीएस अधिकारी होने के बावजूद ये दिव्यांग बच्चों के लिए समय निकालकर पहुंचते, जो बहुत ही सराहनीय हैं और ये मानवता के प्रति बहुत बड़ी सोच रखते है। इस

विधायक ने शोभायात्रा को किया रवाना

- गीता जंयती महोत्सव को लेकर नगर में निकाली शोभा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का भव्य शोभा यात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शनिवार को समापन हो गया। गीता की पूजा.अर्चना के बाद शोभायात्रा निकाली गई। श्रीकृष्ण के गीता उपदेश, कृष्ण.सुदामा का मिलन आदि झांकियां शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण रही। विधायक घनश्याम सर्राफ ने शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभा यात्रा किरोडीमल पार्क से शुरू होकर पुरानी तहसील, घंटाघर, हांसी गेट, पीडब्लूडी रेस्ट हाऊस, बीटीएम चौक व वैश्य कॉलेज के सामने से होते हुए वापस किरोड़ीमल पार्क में संपन्न हुई। शोभा यात्रा में बीटस इंटरनेशल स्कूल, हलवासिया विद्या विहार, जनसेवा विद्या विहार हाई स्कूल, केएम पब्लिक स्कूल, पब्लिक स्कूल बाल भवन, सर्व पल्ली राधेकृष्णन लैब स्कूल, दा ओकवूड स्कूल, टीआई सीसै स्कूल, दा आर्यन स्कूल, वैश्य मॉडल सीसै स्कूल,राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राजकीय उच्च विद्यालय ढ़ाणी हनुमान ने झांकियों के माध्यम से गीता के उपदेश का संदेश दिया। शोभा यात्रा में भगवान श्री कृष्ण के उपदेश व लीलाओं को प्रदर्शित करती हुई झांकिया शामिल रही, जो नगरवासियों को आकर्षित कर रही थी। बीन व नगाड़ा द्वारा दी गई प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

भिवानी। झंडी दिखाकर शौभायात्रा को रवाना करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

विद्यार्थियों ने गीता के 18 श्लोकों का उच्चारण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

पीएमश्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एकादशी के मौके पर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें 1008 विद्यार्थियों ने विश्व भर को गीता का संदेश दिया। 52 लाइनों में बैठे इन विद्यार्थियों के साथ.साथ प्रदेश भर के स्कूलों में बैठे 55 हजार विद्यार्थियों ने भी गीता के 18 श्लोकों का उच्चारण किया। कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। बीईओ विजय प्रभा ने यदा यदा ही धर्मस्य श्लोकोच्चारण से कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने समस्त स्टॉफ और बच्चों के साथ कुरुक्षेत्र के थीम पार्क से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी सुना। ठुकराल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी कृष्ण और अर्जुन की वेशभूषा में आए।

लोहारू। लोहारू के पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय में गीता महोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 01664-252933, 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

शुद्ध विचारों से उगाए अनाज को खाने से मन पर पड़ता सकारात्मक

किसान देश की रीढ़ की हड्डी : वसुधा बहन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

किसान देश की रीढ़ की हड्डी होता है, जिसके चारों तरफ देश की अर्थव्यवस्था घूमती है, इसलिए हम सशक्त किसान बन आत्मनिर्भर बने, तभी देश विकसित हो सकता है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा के तत्वावधान में रामबास स्थित ब्रह्माकुमारीज आश्रम में राष्ट्रीय किसान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किसान सम्मान समारोह में ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ जोरावर सिंह, सोमवीर लांबा, राजेश भालोठिया, पूर्व मैनेजर ईश्वर, सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा, ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन व ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने दीप प्रज्वलित कर किया। ब्रह्माकुमारी वसुधा ने कहा किसान खेतीबाड़ी करता है, अगर आप खेती को शुद्ध श्रेष्ठ संकल्प के साथ परमात्मा स्मृति में रहकर करें तो पैदावार अच्छी होगी और साथ ही शुद्ध विचार से उगाया खाने वाले की मन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

भिवानी। द्वीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करती ब्रह्माकुमारी वसुधा व अन्य।

सच्चे किसान हितैषी थे चौधरी चरणसिंह

उन्होंने कहा कि हम जहरमुक्त खेती करके भारत देश को पुनः विश्वगुरु बनाएं। इस अवसर पर शाश्वत जैविक खेती करने वाले किसानों का सम्मानित किया। सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनेंअपनी त्याग तपस्या और शुद्ध संकल्प से हमारे गांव, समाज, देश और देश के कर्णधार किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही हैं। पूर्व बैंक मैनेजर ईश्वर सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के जन्मदिन को राष्ट्रीय किसान दिवस की रुप मे मनाना किसानों के लिए गौरव की बात है, वास्तव में वे सच्चे किसान हितैषी थे। जैविक खेती करने वाले कुब्जा नगर से विकास व ईश्वर मैनेजर ने बताया कि हमारा भविष्य जैविक खेती में ही निहित है। झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने सभी को मेडिटेशन राजयोग का महत्व बताते हुए कहा कि हम अपनी खेतीबाड़ी में भी मेडिटेशन का प्रयोग कर अपने अन्न को शुद्ध बना सकते हैं।

जन अधिकार कर्तव्य समिति पहलवानों के समर्थन में करेगी आमरण अनशन

भिवानी। पहलवान बेटियों को अब समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन भी मिलने लगा है, इसी के चलते जन अधिकार कर्तव्य समिति के अध्यक्ष कवर बीर सिंह ने चेतावनी दी है कि अगर 15 जनवरी तक कुश्ती संघ एवं सरकार ने मामले को नहीं सुलझाया तो वे बेटियों के सम्मान में 16 जनवरी से गोरखपुर व भिवानी में आमरण अनशन शुरू कर देंगे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

{ कवर स्टोरी / धीरज बसाक }

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

{ वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन }

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

{ अमेजिंग }

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

{ फेस्टिवल स्टोरी / योगेश कुमार गोयल }

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

{ लघुकथाएं }

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अभूतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

फ्लैश बैक / लोकमित्र गौतम

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी। जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या था कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैया कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया।

रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास

सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टर शिवा चौहान

वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश

वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

फरवरी: इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में फ्रोजन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सबसे ऊंची फ्रोजन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिंजादपल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैंडीक्यूट' को लांच किया।

पैंगोंग फ्रोजन लेक, लद्दाख के मैराथन विनर

मार्च : मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया। इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर, बेंगलुरु

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है।

जून: जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया।

जुलाई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंगलुरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के मम्मलापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया।

नवंबर: नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को ने केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर: दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। *

खेल-खिलाड़ी 2023 / साशा

इस साल खूब चमके ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभूतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

विराट कोहली

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गूंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रांज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

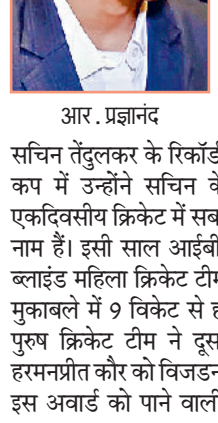

नीरज चोपड़ा

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डेन ब्वॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखेरते रहे।

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।

एच एस प्रनॉय

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्रांज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था।

आर. प्रज्ञानंद

शतरंज: हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे सारे टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाइंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

हरमनप्रीत कौर

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

लिएंडर पेस

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों को चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इदुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। *

जलीय जंतु / देवेश प्रकाश

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन

हालांकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लुप्त होती विशेष जीव प्रजातियों और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र पर चिंता जताई जा रही है। लेकिन साल 2023 में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, उनमें एक गांगेय या गंगा डॉल्फिन को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 अक्टूबर 2023 को इसे राज्य जलीय जंतु घोषित किया जाना भी शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई 2009 को भारत सरकार ने गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था।

बहुत विशिष्ट है डॉल्फिन : डॉल्फिन मछली नहीं बल्कि यह एक स्तनधारी जंतु है, मादा डॉल्फिन अपने बच्चे को दूसरी मादाओं की तरह दूध पिलाती है। मादा डॉल्फिन की नर डॉल्फिन से लंबाई थोड़ी अधिक होती है। डॉल्फिन की औसत उम्र करीब 28 साल तक रिकॉर्ड की गई है। गांगेय डॉल्फिन एक ऐसी लुप्तप्राय जीव प्रजाति है, जो अब भारत में सिर्फ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बची है। गंगा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन एक नेत्रहीन जलीय जंतु है, जिसमें सूंघने की अपार शक्ति होती है। जन्मजात नेत्रहीन होने के कारण डॉल्फिन 'इकोलोकेशन' यानी प्रतिध्वनि निर्धारण की बदौलत पहचानकर अपने भोजन हेतु शिकार की तलाश करती है। इसे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'सोंस' भी कहते हैं।

गंगा नदी की शुद्धता का संकेतक : गंगा नदी में डॉल्फिन की मौजूदगी, उसके जल के शुद्ध और साफ होने की निशानी है। गंगा के पानी में अगर डॉल्फिन नहीं बच रही, तो इसका मतलब गंगा का पानी जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

कई नदियो में था इनका निवास : एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करों ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डाल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजरें रखी जा रही हैं। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिनों को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। *

शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैंस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

अपनी जुबानी / आरती सक्सेना

शाहरुख खान का करियर ट्रैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुईं। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आई। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर कीं। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी-

फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी': फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म 'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरुआती रेस्पांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है।

मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैंस : एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे। मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवर के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए जी-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरा कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैंस की वजह से हूं।

मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना : मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मेरी नजर उस पर से हट ही नहीं रही थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम ने भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

बीता साल और आने वाला नया साल : 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट रहीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अधूरे काम पूरे करूंगा। अपने सारे प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। *